प्रेस विज्ञप्ति

आर्य समाज एंव दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कार शिविर आयोजन

''सबसे ऊंचा योग जिसका संस्कृत से संयोग''।

21 जून 2015, अर्न्तराष्टीय योग दिवस के शुभावसर पर आर्य समाज डी ब्लाक जनकपुरी एंव संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत एंव व्यक्तितव विकास शिविर का उद्घाटन किया गया ।

संस्कृत भाषा के महत्व को नासा के वैज्ञानिकों ने उस समय स्वीकार्य माना जब सूर्य से निकलने वाली ध्वनि ''ओइम्'' को यन्त्रों पर सुना गया । अतः निसन्देह संस्कृत का ज्ञान तर्क एंव विज्ञान पर आधारित है । संस्कृत विश्व की सबसे श्रेष्ठ व मधुर भाषा है और विद्वानों के अनुसार संस्कृत दुनिया कि तमाम भाषाओं की जननी है।

गणमानय संस्कृत प्रेमी सज्जनों एंव छात्रों की उपस्थित में शिविर का उद्घाटन गुरूकुल के ब्रहमचारियों ने वैदिक मन्त्रों के साथ मंगलाचरित किया । ग्रीष्मकालीन शिविर में 8 वर्षिय बालक बालिकाओं से लेकर 60 वर्षिय व्यक्ति सम्मिलित हैं । संस्कृत का पाठन आचार्य धनञ्जयः शास्त्री, जातवेदा गुरूगिरजा आन्नद जी कराऐगें । प्रतिदिन प्रातः 8 से 10 बजे एंव सांय 5 से 7 बजे शिविर का समय निर्धारित है और 30 जून, मंगलवार को शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया जाऐगा, जिसमें संस्कृत अकादमी द्वारा छात्र छात्राओं को प्रणाम पत्र (Certificate) प्रदान किऐ जांयेगें ।

कार्यक्रम एंव मंच का संचालन वेद प्रचार मण्डल के कोषाध्यक्ष एंव आर्य समाज के प्रचार मन्त्री व समाजसेवी श्री रजनीश वर्मा जी ने किया ।

आज के आधुनिकरण एंव विकास की आंधी में कहीं न कहीं संस्कृत भाषा व बच्चों के समुचित विकास पर ध्यान विलुप्त हो रहा है । कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरू विरजानन्द संस्कृतकुलम (गुरूकुल), संस्कृत अकादमी, वेद प्रचार मण्डल

पश्चिमी दिल्ली एंव आर्य समाज के अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा । इस मौके पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान श्री शिवकुमार मदान, आर्य समाज के मन्त्री श्री कर्मयोगी एंव श्री अजय तनेजा, साहित्यकार श्री मनमोहन शर्मा, प्रो. ड़ा॰ रानी, सुश्री डौली जामवाल और श्री रजनीश वर्मा, सहित कई महानुभाव उपस्थित थे । श्री सोमदेव शास्त्री जी द्वारा शान्ति पाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया ।

भवदीय

श्री रजनीश वर्मा

वरिष्ठ संवाददाता

जनकपुरी